

श्रमाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I--- साण्ड 1

27976

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

मं ० 37] नई विल्ली, मंगलशार, फरबरी 15, 1972/माघ 26, 1893 No. 37] NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 15, 1972/MAGHA 26, 1893

इस भाग में भिन्न पूष्ठ सक्ष्या की जाती है जिनमें कि वह प्रना पंतनन के का ने रखा जो सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

CABINET SECRETARIAT

(Department of Personnel)

RESOLUTION

New Delhi, the 15th February 1972

No. 262/2/72-AVD. II.—The Government of India have decided that in para 3(d) of Resolution No. 24/7/64-AVD, dated the 11th February, 1964, issued by the Ministry of Home Affairs constituting the Central Vigilance Commission, the following proviso may be inserted after the words "accept any political public office", namely:—

"......Provided that the Central Government may in exceptional circumstances, when the public interest so requires, permit a person who has has held the office of the Central Vigilance Commissioner to accept any such employment or office".

ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to all State Governments, all Ministries of the Government of India, etc. and also that the Resolution be published in the Gazette of India,

U. C. AGARWAL, Jt. Secy.

मं तिमंडल सचिवालय

(कार्मिक विभाग)

संकस्य

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 1972

संख्या 262/2/72-ए वी डी.--2.-- भारत सरकार ने यह निर्णय किया है कि गृह मंद्रालय दारा जारी किये गये संकल्प संख्या 24/7/64-ए० वी० डी०, दिनाक 11 फरवरी, 1964, जिसके श्रधीन केन्द्रीय सतकंता भ्रायोग स्थापित हुन्ना, के पैरा 3(घ) में "कोई राजनैतिक सार्वजनिक पद स्वीकार नहीं करेगा" भव्दों के बाद निम्नलिखित परन्तुक जोड़ दिया जाय, श्रभीत्---

"....परन्तु केन्द्रीय सरकार, श्रसाधारण परिस्थितियों में, जब कि ऐसा करना सार्वजितक हिल में हो, किसी व्यक्ति को जिसने केन्द्रीय सतर्कता श्रायुक्त के पद पर कार्य किया हो, ऐसे किसी नियोजन या पद को स्वीकार करने की श्रनुमित दे सकती है।

ग्रादेश

धादेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सभी राज्य सरकारों, भारत सरकार के सभी मंद्रालयों ध्रादि को धेजी जाये घौर इस संकल्प को भारत क राजपत्न में भी प्रकाशित किया जगा।

सदय न द ग्राशवाल, संयुक्त समिय ।